एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2, अंक -20, माह - सितम्बर 2024

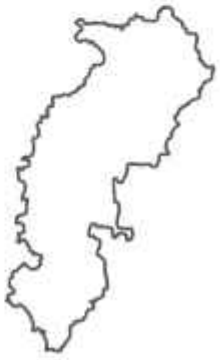

शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है: शिक्षा ही जीवन है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर (छ.ग.)

एस आर यू में अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा 'यूनियन बजट 2024-25 एंड इंडियन इकॉनमी' पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

कला संकाय के अंतर्गत अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा एक्स्ट्रामुरल लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में प्रो. आर.के. ब्रह्मे ने केंद्रीय बजट 2024-25 की बारीकियों का गहन विश्लेषण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह , कला संकायाध्यक्ष प्रो. मनीष कुमार पाण्डेय और मुख्य अतिथि प्रो. आर.के. ब्रह्मे ने परम्परागत तरीके से दीप प्रज्वलन कर किया।

तत्पश्चात कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक परंपरा और एक्स्ट्रामुरल लेक्चर सीरीज की उपयोगता बताते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को बजट की बारीकियों का ज्ञान होना चाहिए। यह सौभग्य की बात है कि प्रो. ब्रह्मे जैसे विशेषज्ञ के माध्यम से आप बजट के महत्वपूर्ण बिंदुओं को जान सकते हैं।

कला संकायाध्यक्ष प्रो. मनीष कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कला संकाय अपने विद्यार्थियों को विषयान्तर्गत अध्ययन के साथ ही सम - सामयिक विषयों से अवगत कराने के लिए कटिबद्ध है और यह विशेष व्याख्यान इसी कड़ी में किया गया एक प्रयास है।

प्रो. आर.के. ब्रह्मे ने बजट का विश्लेषण करते हुए विद्यार्थियों को बतलाया कि इस बजट में विद्यार्थियों के लिए विशेष इंटर्नशिप का प्रावधान है और बिना बजट के उपबंधों को जाने आप यह नहीं समझ सकते कि सरकार को क्या करना चाहिए और क्या नहीं ? साथ ही आप नहीं जान सकते कि हमारे टैक्स का राष्ट्र के निर्माण में कैसे उपयोग किया जा रहा है।

अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा भारती ने धन्यवाद ज्ञापित किया और डॉ. अर्चना तुपट ने मंच का सञ्चालन किया। इस अवसर पर कला संकाय, विधि विभाग, वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय और शिक्षा संकाय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान विभाग (ऑप्टोमेट्री) ने नेत्रदान पखवाड़ा 2024 के लिए अतिथि व्याख्यान एवं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का किया गया आयोजन...

नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के एक सराहनीय प्रयास में, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के ऑप्टोमेट्री विभाग ने नेत्रदान पखवाड़ा 2024 समारोह के हिस्से के रूप में एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें कुलपति प्रो. एस.के. सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर डॉ. अनुभूति कोसले के साथ इस नेक काम को अपना समर्थन दिया। ऑप्टोमेट्री और नेत्र देखभाल के क्षेत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. अमृता वर्मा (रेटिना विशेषज्ञ) और डॉ. मनीष श्रीवास्तव (वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ) द्वारा दिए गए अतिथि व्याख्यान में नेत्रदान के महत्व, इसमें शामिल प्रक्रिया और प्रत्येक दान कैसे जीवन बदल सकता है, इस पर ध्यान केंद्रित किया गया। वक्ता ने कॉर्नियल अंधेपन से निपटने के लिए नेत्रदान में भागीदारी बढ़ाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया, जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है।दिन की गतिविधियों में शामिल होते हुए, विभाग ने एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया। इस पहल ने छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय को अनुभवी ऑप्टोमेट्रिस्ट द्वारा अपनी आँखों की जाँच करवाने का अवसर प्रदान किया। शिविर का उद्देश्य नेत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और संभावित दृष्टि समस्याओं का शीघ्र पता लगाना था। दूसरी ओर, डॉ. मोहम्मद शहरयार खान के नेतृत्व में डॉ. आतिश साहू और डॉ. रश्मि राठौर द्वारा दंत चिकित्सा जांच की गई।कुलपति ने अपने संबोधन में नेत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और नेत्रदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने में उनके समर्पित प्रयासों के लिए ऑप्टोमेट्री विभाग की सराहना की। उन्होंने सभी को अपनी आँखें दान करने और समाज की बेहतरी में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। रजिस्ट्रार ने सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता और एक स्वस्थ और अधिक जागरूक समुदाय बनाने में ऐसी पहलों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।यह कार्यक्रम जागरूकता फैलाने और अधिक से अधिक लोगों को आगे आकर अपनी आँखें दान करने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जिससे जरूरतमंद लोगों को दृष्टि का उपहार सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में सुश्री दीपाली साहू, सहायक प्रोफेसर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया और सुश्री आकांक्षा चौधरी द्वारा समन्वय किया गया।

विवेक ज्योति पत्रिका में प्रकाशित हुआ डॉ. राधिका चंद्राकर का लेख

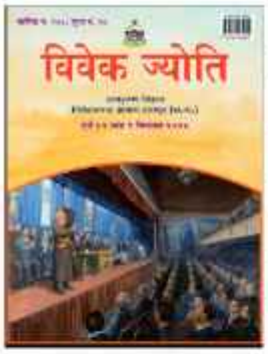

रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद आश्रम रायपुर, छ. ग. द्वारा प्रकाशित हिन्दी मासिक पत्रिका विवेक ज्योति के सितम्बर माह के नवम अंक में श्री रावतपुरा सरकार यूनीवर्सिटी रायपुर के योग विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राधिका चंद्राकर द्वारा "गुरुकुल परंपरा का पुनर्जागरण" पर लिखित लेख को शिक्षक दिवस पर विशेष लेख के रुप में प्रकाशित किया गया। यह लेख राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में वर्तमान शिक्षा प्रणाली को भारतीय ऋषि परंपरा के शिक्षण तकनीकों के प्रयोग से समुन्नत बनाने की ओर इंगित करता है।

डॉ. राधिका चन्द्राकर ने अपने लेख में उल्लेखित किया है कि शिक्षा का उद्देश्य यह होना चाहिए कि अध्ययन पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी सब ओर से अपने लिये द्वार खुले देखें। विद्यार्थियों को यह अनुभव न हो कि सरकारी नौकरी न मिले, तो उसके भाग फूट गए। प्रतिभा को शिक्षा के समतुल्य ही समझा जा सकता है। शिक्षा से प्रतिभा निखरती है। दोनों के सहयोग से विद्यार्थी दक्षता के साथ जीवन में आगे बढ़ पाता है इस नयी प्रणाली के अन्वेषण में जब अग्रसर होते हैं, तो हमें इसका संकेत उन्हीं सभ्यताओं और संस्कृतियों में मिलता दिखाई पड़ता है, जिन्हें हम प्राचीन गुरुकुल-परम्परा के नाम से जानते हैं। शिक्षा और विद्या का समन्वित स्वरूप ही विद्यार्थी का मार्ग प्रशस्त करेगा।आधुनिक गुरुकुल के निर्माण में अभिभावकों, विश्वविद्यालय प्रशासनों को सनों को यदि थोड़ा खर्च उठाना भी पड़े, तो यह शायद प्राप्त होनेवाले परिणामों की तुलना में कम ही खर्च साबित होंगे। इस तरह विद्यार्थी से समाज, समाज से राष्ट्र का नवनिर्माण होता चला जाएगा।

विश्वविद्यालयों का वास्तविक कार्य विद्यार्थियों में ऐसी शिक्षा को संचालित करना हो, जो विद्यार्थी के आजीविका में लाभकारी हो, साथ ही एक सशक्त व प्रबुद्ध नागरिक बनाने का पथ प्रशस्त करे। विश्वविद्यालय को अपने पाठ्यक्रम में ऐसे शास्त्रों, ग्रंथों गीता, उपनिषद, रामायण, महाभारत, धर्म, संस्कृति, संस्कृत, दर्शन आदि विषयों का समावेश करना चाहिए, जिससे विद्यार्थी भौतिक सम्पदाओं की प्राप्ति के साथ-साथ व्यावहारिक और संस्कारवान नागरिक बनें।

विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, आचार्यों को गुरुकुल परम्परा के आचरण, पाठ्यक्रम, व्यवस्था से अवगत कराया जाए, गुरुकुल परम्परा के महान आचार्यों के व्यक्तित्व से परिचित कराया जाए, ताकि वे भी उन संस्कारों से स्वयं संस्कारित होकर विद्यार्थियों में वे संस्कार देने में सहायता कर सकें। विद्यार्थियों के सुसंस्कार और सफलता के मार्ग का निर्देशन कर उनका जीवन में सुखा और शान्ति का मार्ग प्रशस्त कर सकें। वह समय दूर नहीं जब प्राचीन ऋषि प्रणाली का पुनः उदय होगा और माँ भारती की आर्य-संतान ऋषि-पद्धति से जीवन को सच्चा जीवन बनानेवाले गुरुकुल की शिक्षा प्राप्त करेंगे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के योग विभाग की छात्रा जैन को श्रीलंका में स्वर्ण पदक प्राप्त

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर छत्तीसगढ़ के योग विभाग की एम.एस.सी. योग की छात्रा छाया जैन को श्रीलंका में आयोजित वर्ल्ड 1st WFFYSI एशिया पैसिफिक योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। अगस्त माह 2024 में श्रीलंका में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश - विदेश के योग प्रतिभागी सम्मिलित हुआ । छाया जैन की इस शानदार उपलब्धि पर योग विभाग सहित श्री रावपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर के प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह, कुलसचिव डॉक्टर सौरभ कुमार शर्मा सहित समस्त पदाधिकारियों ने बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

एसआरयू में मनाया गया शिक्षक दिवस

"भारत में गुरु शिष्य परंपरा पूर्व वैदिक काल से प्रचलित" - प्रो. बी. के. शर्मा

"गूगल तो मात्र सूचनाएं दे सकता है जबकि सच्चा ज्ञान गुरु के सानिध्य में ही संभव है" - डॉ. आर. के. पाण्डेय

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में 5 सितम्बर' 2024 को महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि प्रो. बी. के. शर्मा प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.), विशिष्ट अतिथि डॉ. रमेश कुमार पाण्डे प्रोफेसर वाणिज्य विभाग शासकीय बिलासा गर्ल्स पीजी ऑटोनॉमस कॉलेज, बिलासपुर (छ.ग.) एवं डॉ. मंजु पाण्डेय विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग शासकीय पातालेश्वर कॉलेज मस्तूरी, बिलासपुर (छ.ग.) ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक अपने गुरु के समक्ष शिक्षार्थी ही होता है। विश्वविद्यालय मात्र सूचनाएं प्रदान करने का केंद्र नहीं होते बल्कि यह विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों की प्रतिस्थापना कर उन्हें श्रेष्ठ नागरिक भी बनाते हैं।विशिष्ट अतिथि डॉ. मंजू पांडेय ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि मैं अपने सभी शिक्षकों का दिल से आभार व्यक्त करना चाहती हूं। आपकी शिक्षा और मार्गदर्शन के लिए हम सदैव आपके ऋणी रहेंगे। ये दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारे जीवन में शिक्षकों का योगदान कितना महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि डॉ. आर. के. पाण्डेय ने विद्यार्थियों से कहा कि आप अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान भाव से जुड़े रहें क्योंकि गूगल तो मात्र सूचनाएं दे सकता है जबकि सच्चा ज्ञान गुरु के सानिध्य में ही संभव है।अतः हमें अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि प्रो. बी. के. शर्मा ने नचिकेता, अष्टावक्र, प्रह्लाद और ध्रुव के कथानकों की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक हमारे जीवन के मार्गदर्शक होते हैं। शिक्षक वह दीपक हैं जो अज्ञानता के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। वे हमें न केवल किताबों का ज्ञान देते हैं, बल्कि जीवन की मूलभूत सीख भी सिखाते हैं। वे हमें आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और नैतिक रूप से सशक्त बनाते हैं। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों और शिक्षार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की पुनर्स्थापना का आह्वान किया और सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित किया।इस अवसर पर सभागार में सम्पूर्ण यूनिवेर्सिटी परिवार उपस्थित रहा ।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर ने शैक्षणिक और शोध सहयोग के लिए शासकीय दिग्विजय पीजी कॉलेज, राजनांदगांव के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर ने शासकीय दिग्विजय स्वायत्त पीजी कॉलेज, राजनांदगांव के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। 10 सितंबर, 2024 को हस्ताक्षरित इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध परियोजनाओं और छात्र गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा देना है।

इस समझौते को श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ शर्मा और शासकीय दिग्विजय स्वायत्त पीजी कॉलेज के प्रतिनिधि डॉ. माजिद अली, सहायक प्रोफेसर, जूलॉजी सहित प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप दिया गया। दोनों नेताओं ने शैक्षिक मानकों को बढ़ाने, नवीन शोध पहलों को विकसित करने और छात्रों को व्यापक शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए तालमेल बनाने के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रो. आरआरएल बिराली, प्रभारी डीन प्रो. आशीष कुमार सरकार और एचओडी लाइफ साइंस डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम भी गवाह के रूप में उपस्थित थे।

इस समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों संस्थान सहयोगी शोध परियोजनाओं, संयुक्त सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में शामिल होंगे, जिससे संकाय और छात्र दोनों को लाभ होगा। साझेदारी का उद्देश्य विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान सहित विभिन्न विषयों में संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान साझाकरण, कौशल विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करना है। अनुसंधान सहयोग के अलावा, समझौता ज्ञापन संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल आयोजनों और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से छात्र जुड़ाव को बढ़ावा देने पर भी केंद्रित है। सिंह ने साझेदारी के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा, "यह समझौता ज्ञापन एक मजबूत शैक्षणिक नेटवर्क बनाने की दिशा में एक कदम है जो छात्रों को उनके सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करेगा। हम दोनों संस्थानों को इस सहयोग से लाभान्वित होते देखने के लिए उत्सुक हैं।" प्रतिनिधि डॉ. माजिद अली ने भावना को दोहराते हुए कहा, "साझेदारी दोनों संस्थानों के लिए संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। यह दोनों कॉलेजों के शैक्षणिक और शोध आउटपुट को समृद्ध करेगा और छात्रों को नए क्षितिज तलाशने के लिए सशक्त करेगा।" यह सहयोग छत्तीसगढ़ में संस्थानों के बीच शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने में एक मील का पत्थर है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के शैक्षिक ढांचे को ऊपर उठाना और समाज को लाभ पहुंचाने वाले प्रभावशाली शोध का उत्पादन करना है।

समझौता ज्ञापन एक परिवर्तनकारी पहल होने की उम्मीद है, दोनों संस्थान इस साल के अंत तक कार्यान्वयन शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें संयुक्त परियोजनाएं, सेमिनार और छात्र गतिविधियाँ पहले से ही पाइपलाइन में हैं।

एसआरयू में "शोध पद्धति उपकरण एवं तकनीक" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित शोध पद्धति उपकरण एवं तकनीक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज पहला दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय कार्यशाला में देश के लगभग सभी राज्यों से 120 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन भाग लिया।उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रो. आरआरएल बिराली ने शोध एवं कार्यशाला से संबंधित विषयों का परिचय देते हुए इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में विभिन्न संकायों एवं विषयों के सहयोग से किस प्रकार शोध किया जा सकता है, ताकि नए शोध एवं निष्कर्ष तक पहुंचा जा सके और इसे अधिक सर्वव्यापी बनाया जा सके।पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रो. राजीव चौधरी ने प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में शोध के विभिन्न प्रतिमानों एवं शोधकर्ता के गुणों पर चर्चा की तथा बताया कि शोध की भूमिका एवं उसका सैद्धांतिक पक्ष क्या होना चाहिए और कैसा होना चाहिए। एक शोधकर्ता के रूप में किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। शोध को सही दिशा में सिद्ध करके उसकी उपयोगिता को बढ़ाया जा सकता है। विभिन्न विषयों के साथ शोध को और अधिक महत्वपूर्ण कैसे बनाया जा सकता है। यदि शोध प्रश्न मजबूत है, तो शोध के परिणाम भी प्रभावी साबित होंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि शोधकर्ताओं को शोध के मूल्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।दूसरे सत्र के वक्ता डॉ. जी.के. देशमुख (पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय) ने साहित्य समीक्षा के विभिन्न आयामों को समझाया तथा शोध में साहित्य समीक्षा के महत्व और उपयोगिता पर महत्वपूर्ण प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बताया कि नई तकनीक का उपयोग करके शोध को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है। एआई तकनीक के माध्यम से शोध को सरल तरीके से और अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। मेंडली जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके शोध पत्रों और शोध को आसानी से उद्धृत किया जा सकता है। जिससे शोधकर्ता का काफी समय बचता है और शोध की उपयोगिता बढ़ जाती है। और वे कौन से तरीके हैं जिनके माध्यम से डेटा को सही तरीके से प्रोसेस किया जा सकता है ताकि परिणामों की प्रामाणिकता और बढ़ जाए।सत्र के अंत में दो दिवसीय कार्यशाला के सह-पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. नरेश गौतम ने आभार व्यक्त करते हुए शोध के विभिन्न पहलुओं को समझाया तथा बताया कि किस प्रकार आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता के दौर में वैकल्पिक शोध सिद्धांतों को अपनाकर नए शोध प्रतिमानों को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस दो दिवसीय कार्यशाला में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. सुजाता घोष, सुश्री सम्प्रीति भट्टाचार्य एवं डॉ. चित्रपांडे के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी संकायों के डीन, प्राचार्य, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने माननीय गवर्नर से की भेट

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल के रूप में कुलपति- प्रो. एस. के. सिंह, कुलसचिव - डॉ. सौरभ कुमार शर्मा एवं मुख्य जनसंपर्क अधिकारी – श्री राजेश तिवारी ने छत्तीसगढ़ राज्य के माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका जी से की मुलाकात, जिसमे माननीय राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी में 21 सितम्बर 2024 को होने वाले तृतीय दीक्षांत समारोह में शिरकत करने की दी सहमति। दीक्षांत समारोह में 18 गोल्ड मैडल, 55 पी.एच.डी. स्कोलर्स सहित 1440 विद्यार्थियों को प्रदान की जायेगी उपाधि।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर श्री अभिषेक कुमार मिश्रा द्वारा प्रकाशित शोध पत्र

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पत्रिका, इम्पैक्ट फैक्टरः 7.28 (ISSN 2319-829X खंड 13, अंक 02, संख्या 11, जुलाई-दिसंबरः 2024) द्वारा प्रकाशित विधि विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री अभिषेक कुमार मिश्रा द्वारा लिखित शोध पत्र "भारत में मतदान अधिकारों का संवैधानिक संरक्षण एवं चुनावी सुधार" के शीर्षक पर, जो कि UGC CARE-ग्रुप-I सूचीबद्ध पत्रिका है।

यह लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित करने वाले संवैधानिक सुरक्षा उपायों और भारत की चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से चल रहे सुधारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रदान करता है। मतदान अधिकारों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायः लेख अनुच्छेद 326 के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डालता है, जो उचित प्रतिबंधों के अधीन 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार देता है। यह जांचता है कि भारत की स्वतंत्रता के बाद से यह अधिकार कैसे विकसित हुआ है और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों ने इसे कैसे संरक्षित किया है।

इस लेख का उद्देश्य भारत में मतदान अधिकारों के संवैधानिक संरक्षण पर एक विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना है, साथ ही चुनावी प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करना है। इसका उद्देश्य देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में चुनावी सुधारों के महत्व को उजागर करना भी है और मुख्य रूप से भारत में मतदान अधिकारों से संबंधित कानूनी प्रावधानों का विश्लेषण करना और चुनावी प्रणाली में मौजूदा चुनौतियों और कमजोरियों पर चर्चा करना है, साथ ही ऐसे सुधारों की सिफारिश करना है जो चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और अखंडता को बढ़ा सकें।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में मनाया गया अभियंता दिवस
अभियांत्रिकी संकाय के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं कार्य हेतु शिक्षकों को किया सम्मानित..

एस. आर. यू के अभियांत्रिकी संकाय द्वारा हर्षोल्लास के साथ अभियंता दिवस मनाया गया। जिसका शुभारंभ यूनिवर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम और मुख्य अतिथि श्री आर.एन. गुप्ता द्वारा भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा में माल्यार्पण करके किया गया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, कुलपति प्रो.एस.के.सिंह और प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने जीवन में अभियांत्रिकी के विशेष योगदान के विषय में प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व को ऐसे इंजीनियरों की जरूरत है जो न

केवल तकनीकी रूप से सक्षम हों, बल्कि सामाजिक रूप से भी जागरूक हों। स्थिरता अब एक विकल्प नहीं है; यह एक आवश्यकता है। इंजीनियरों के रूप में, यह सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम जो तकनीक और बुनियादी ढाँचा विकसित करते हैं, वह वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों दोनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए न्यायसंगत हो। यह सतत विकास के लिए इंजीनियरिंग के व्यापक लक्ष्य के साथ संरेखित है और यह सुनिश्चित करता है कि हमारे कार्य पर्यावरण और समाज की जरूरतों के अनुरूप हों।तत्पश्चात मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त इंजीनियर-इन-चीफ, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, छत्तीसगढ़ श्री आर.एन. गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंजीनियरिंग के विकास को स्वीकार करना आवश्यक है। तकनीकी प्रगति की तेज़ गति अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करती है। आज की दुनिया में, इंजीनियरों के पास न केवल तकनीकी विशेषज्ञता होनी चाहिए, बल्कि अनुकूलनशीलता, रचनात्मकता और उनके काम के सामाजिक प्रभाव की गहरी समझ भी होनी चाहिए। अभियंता दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को आयोजित हुए राष्ट्रीय खेल दिवस के होनहार खिलाडियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किये गए। इसी क्रम में अभियांत्रिकी संकाय के डॉ. कमल प्रधान,उपकुलसचिव, अकादमिक, श्री कोमल प्रसाद यादव, सहायक प्राध्यापक , कंप्यूटर साइंस विभाग, श्री गुलाब साहू, सहायक प्राध्यापक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग एवं श्री राजेंद्र पटेल, सहायक प्राध्यापक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। प्रो. आर.आर.एल बिराली, डीन अकादमिक ने धन्यवाद ज्ञापन में उपस्थित सभी इंजीनियरों और भावी इंजीनियरों को हार्दिक बधाई दी। और कहा कि , आपकी लगन, कड़ी मेहनत और रचनात्मकता ने लगातार संभव की सीमाओं को आगे बढ़ाया है। साथ ही उन्होंने मंचासीन सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और आयोजन समिति को कार्यक्रम सफल बनाने की शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा अद्भुत एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं अभियंता दिवस को सुशोभित करते हुए विद्यार्थियों द्वारा अनेक टेक्निकल मॉडल प्रस्तुत किया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ तरणजीत सिंह सचदेव, डीन शोध-2, डॉ मृणाल साहू, सहायक प्राध्यापक, मेटलर्जी विभाग एवं श्री परमेश्वर साहू, सहायक प्राध्यापक, सिविल विभाग द्वारा किया गया। रंगोली एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन कॉम्पिटिशन का संचालन सुश्री लीना साहू , सहायक प्राध्यापक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, सुश्री प्रियंका बंधे , सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग, द्वारा किए गया। सम्पूर्ण अभियंता दिवस कार्यक्रम का सफल सञ्चालन श्री तरुण सोनवानी, सहायक प्राध्यापक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग एवं डॉ. प्रज्ञा नंदन बंजारे, विभागाध्यक्ष मेटलर्जी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभियांत्रिकी संकाय के समस्त विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों का शत प्रतिशत योगदान रहा।

एस.आर.यू के तृतीय दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल श्री रमन डेका करेंगे अध्यक्षता
18 स्वर्ण पदक 55 पीएचडी स्कॉलर के साथ 1440 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी..

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल श्री रमन डेका श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में अध्यक्षता करेंगे एवं विद्यार्थियों को उपाधि एवं स्वर्ण पदक देकर सम्मानित करेंगे। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह 21 सितम्बर 2024, समय 11:30 बजे से आयोजित किया जा रहा है । श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय एक निजी विश्वविद्यालय है जो 65 एकड़ में स्थापित है, जिसमें 143 शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। वर्ष 2018 में परमपूज्य महाराजश्री के करकमलों एवं आशीर्वाद द्वारा श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी की आधारशिला इस क्षेत्र के युवकों को कम लगत में गुणवक्तापूर्ण एवं रोजगारपरक शिक्षा देने के उद्देश्य से रखी गयी । अपने स्थापना काल से ही इस विश्वविद्यालय को एक ऐसे शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित करने का सद्प्रयास किया गया जो विकसित भारत के निर्माण में युवाओं के लिए शिक्षा, संस्कार, चरित्र-निर्माण एवं रोजगार का मार्ग प्रशस्त कर सके । अभी हाल ही में विश्वविद्यालय को इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) के माध्यम से इमर्जिंग प्राइवेट यूनिवर्सिटी की कैटेगरी में पूरे भारत में चौथा तथा छत्तीसगढ़ राज्य में पहले स्थान प्राप्त हुआ है जो एक गौरव का विषय है ।65 एकड़ के हरित, सुरम्य एवं सौम्य परिसर में स्थित यह विश्वविद्यालय 324 विद्यार्थियों से प्रारंभ होकर आज 8000 से अधिक भारतीय एवं विदेशी छात्रों के लिए एक ज्ञान का केंद्र बन गया है । वर्तमान में हमारे विश्वविद्यालय में 37 विभाग हैं जिनमें 143 पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है जिनमें इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी, विज्ञान, कला, फार्मेसी, फैशन एवं इंटीरियर डिजाइनिंग, वाणिज्य एवं प्रबंधन, लाइब्रेरी साइंस, शिक्षा, पत्रकारिता, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा है । आज तक 5000 से अधिक विद्यार्थी यहां से सफलतापूर्वक अध्ययन कर देश एवं राज्य में विभिन्न उपक्रमों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं । इन विद्यार्थियों के जीवन निर्माण में विश्वविद्यालय के विद्वान एवं कर्मठ आचार्य ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के शासकीय एवं निजी संस्थानों में कैंपस में ही चयनित कर रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जिसमें संस्थानों के फीडबैक के अनुसार विश्वविद्यालय से चयनित योग्य अभ्यर्थियों को समीक्षा में 8 से 9 ग्रेड प्राप्त हुए हैं। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 18 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 55 विद्यार्थियों को पीएचडी तथा 1440 विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर उपाधि प्रदान की जाएगी ।विश्वविद्यालय परीक्षा के 72 घंटे के भीतर विद्यार्थियों के परिणाम घोषित करके शिक्षा में गुणवत्ता लाने का प्रयास करता है तथा विश्वविद्यालय ने डिग्री में क्यूआर कोड अंकित किया है, ताकि वास्तविक समय में डिग्री का सत्यापन किया जा सके ।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने स्नातकों तथा संकाय की उपलब्धियों पर बहुत गर्व व्यक्त किया तथा कहा, ‘यह सम्मेलन हमारे विद्यार्थियों के लिए एक नई यात्रा की शुरुआत है, तथा हमें विश्वास है कि वे विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता की विरासत को आगे ले जाएंगे ।कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा आने वाले वर्षों में सीखने तथा नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के आह्वान के साथ होगा।

एस.आर.यू में अन्तर महाविद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में आयोजित अन्तर महाविद्यालयीन फुटबॉल (पु) प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 24.09.24 से 25.09.24 तक श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस के सिंह थे। विशिष्ठ अतिथी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा थे। विशिष्ठ अतिथी पूर्व संचालक डॉ. विपीनचन्द्र शर्मा, पूर्व संचालक, शारीरिक शिक्षा विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय , डॉ. प्रकाश वैध, पूर्व प्राचार्य, डागा कन्या महाविद्यालय रायपुर , डॉ. सुमीत तिवारी, संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी थे । कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के रूप में श्री असीम कादरी मंडी महाविद्यालय रायपुर थे । मुख्य अतिथी डॉ. एस. के. सिंह ने खिलाडीयों का उत्साहवर्धन करते हुए पूरे प्रतियोगिता में टीम भावना से खेलने का आग्रह किया एवम खिलाडीयो को अग्रिम शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम चिन्हित महाविद्यालयो से क्रीडा अधिकारी गण भी उपस्थित थे। आज के मैच में नेताजी सुभाष महाविद्यालय अभनपुर और महराजा अग्रसेन महाविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें नेताजी महाविद्यालय 06-00 से विजयी रही। वहीं अन्य मैचों में यूटीडी रायपुर ने महंत कॉलेज रायपुर 04-00 से पराजित किया। हरिशंकर शुक्ल महाविद्यालय ने छत्तीसगढ कालेज को 01:00 से विजय रही शास- नागार्जुन महाविद्यालय ने शासकीय महाविद्यालय आरंग को 06-00 से पराजित किया। एक अन्य मैच में यू-टी-डी ने शासकीय महाविद्यालय कुरुद को 4-0 से विजयी रही और विप्र महाविद्यालय ने सेट पैलोटी कॉलेज को 2-1 से पराजित किया। शासकीय नागार्जुन महाविद्यालय को नेताजी सुभाष महाविद्यालय अभनपुर में 0-1 से विजयी रही। कल होने वाले प्रथम सेमी फाईनल मैच विप्र महाविद्यालय और छत्तीसगढ़ महा विद्यालय और द्वितीय सेमी फाईनल मैच नेताजी कॉलेज अभनपुर और यूटीडी के मध्य खेला जाएगा। उक्त जानकारी खेल संयोजक श्री प्रमेष खरे ने प्रदान किया।

विप्र महाविधालय 3-2 से बनी विजेता

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में आयोजित अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच खेला गया पहला सेमीफाइनल मैच विप्र महाविद्यालय रायपुर विरुद्ध शासकीय छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर के मध्य खेला गया दोनों ही टीमे अंत तक 1-1 की बराबरी पर रही मैच का फैसला टाई ब्रेकर के माध्यम से किया गया विप्र महाविद्यालय की ओर से प्रवेश, यशवंत, चंद्र प्रकाश, रोहित ने गोल किया और नीलाभ ने बाल बाहर मारा और छत्तीसगढ़ महाविद्यालय की ओर से अमीर, निशांत और देवेश ने गोल किया एल्विन और साहिल ने बॉल बाहर मार दिया इस प्रकार विप्र महाविद्यालय की टीम 5-4 से विजयी रही। आज का दूसरा सेमीफाइनल मैच यूटीडी रायपुर और नेताजी सुभाष महाविद्यालय अभनपुर के बीच में खेला गया मैच के 18 मिनट में ही नेताजी सुभाष के अंकुश टोप्पो ने शानदार गोल किया और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी मध्यांतर तक यह बढ़त बरकरार थी मैच के 36 मिनट में यूटीडी के अविनाश ने शानदार गोल कर अपनी टीम को बराबरी दिला दी शानदार मुकाबले में अंत तक दोनों ही टीमें बराबरी पर रही आज के दूसरे सेमीफाइनल मैच का परिणाम भी टाइम ब्रेकर के माध्यम से किया गया टाइ- ब्रेकर में यूटीडी की तरफ से अविनाश, सतीश, पिलेट्स और युवराज ने गोल किया जबकि विनोद का शॉट गोलकीपर ने शानदार तरीके से बचा लिया नेताजी कॉलेज की तरफ से अमित, मनजीत और पारुल तपन ने गोल किया डेविड मिंज और लेविस ने बाल बाहर मार दिया इस प्रकार यूटीडी की टीम 5- 4 से विजई हुई प्रतियोगिता का फाइनल और अंतिम मैच यूटीडी और विप्र महाविद्यालय के बीच खेला गया जिसमें मैच की शुरुआत में ही शानदार मूव बनाते हुए यूटीडी के युवराज ने 10 मिनट में शानदार गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी पर यूटीडी कि यह बढ़त ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रह सकी और विप्र महाविद्यालय के नील भूषण ने 17 वे मिनट में शानदार गोल कर स्कोर बराबर कर दिया नील भूषण ने ही 21 मिनट में एक गोल और कर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी महाविद्यालय के निरंजन ने शानदार गोल कर बढ़त को 3-1 कर दिया मैच के 54 में मिनट में यूटीडी के अविनाश ने शानदार गोल कर इसको 3-2 कर दिया मैच के अंतिम समय तक स्कोर 3-2 रहा इस प्रकार विप्र महा 3-2 से चैंपियन रही। आज के समापन समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस के सिंह थे कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सौरभ शर्मा ने की विशेष अतिथि के तौर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा सत्यज तिवारी, उप-कुल सचिव डॉ कमल प्रधान थे। सभी अतिथियों ने विजय टीम को 'बधाई और उपविजेता टीम को प्रोत्साहन दिया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से रायपुर जिले की फुटबॉल टीम का निर्माण किया जाएगा जो डोंगरगढ़ में होने वाले राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता मे 28 सितंबर से 30 सितंबर तक भाग लेगी आज के मैच के निर्णायक अब्दुल रफीक, अमित सिंह, अभिमन्यु सिंह और नौशाद थे मैच के पर्यवेक्षक के रुप मे आदर्श है महा. के श्री असीम कादरी थे विभिन्न महाविद्यालयों से आये क्रिडाधिकारियों के साथ साथ पूर्व प्राचार्य डागा महा श्री प्रकाश बैद जी भी उपस्थित थे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी द्वारा स्वास्थ परीक्षण एवम जागरूकता अभियान का आयोजन

महासमुंद जिले के मूंगाई माता गोद ग्राम में यूनिवर्सिटी के एनएसएस और उन्नत भारत की टीम द्वारा एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच

छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र महासमुंद जिले के मूंगाई माता गोद ग्राम में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के एनएसएस और उन्नत भारत की टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इसका उद्देश्य आदिवासी बाहुल्य क्षत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाना था।कार्यक्रम के आयोजक राजेंद्र पटेल, डॉ अंजलि यादव सहायक प्राध्यापक ने कहा, "हमारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति में सुधार करना है।हम आदिवासी समुदाय के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" इस कार्यक्रम में मुख्यता स्वास्थ्य जांच शिविर, स्वच्छता और पोषण पर जानकारी, आदिवासी समुदाय के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं के साथ साथ सामाजिक जागरूकता प्रदान करना था । जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक और उन्नत भारत अभियान के सदस्यों द्वारा आँख चेकअप,बी पी शुगर और खून जांच कर ग्रामीणों को स्वास्थ सेवा प्रदान की गई , राष्ट्रीय स्वयं सेवक के सयोजक राजेंद्र पटेल, डॉ अंजली यादव सहायक प्राध्यापक के साथ साथ टीम के सहायक प्राध्यापक सदस्य तरुण सोनवानी, कोमल यादव, कमलेश दस, भगवती साहू, प्रतिभा चोखी, दीपाली साहू,आकांक्षा चौधरी, योगिता साहू, निधी साहू उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया स्वास्थ्य से जुड़ी हर चीज सही आहार पर निर्भर करती है

डॉ. रश्मि मिंज एक दिन में 100 ग्राम फल, 250 ग्राम अनाज और 400 ग्राम सब्जियों का सेवन जरूरी है

पोषण माह के अवसर पर स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान विभाग (विज्ञान संकाय) द्वारा "पोषण भी पढ़ाई भी" थीम पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें शासकीय डीबी गर्ल्स पीजी कॉलेज, रायपुर की गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि मिंज व्याख्यान की मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं।डॉ. रश्मि ने अपने व्याख्यान में खाद्य पिरामिड, संतुलित आहार और मेरी थाली-मेरा आहार जैसे विषयों के महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया। उन्होंने बताया कि आज की व्यस्त जीवनशैली में सभी खाद्य समूहों का उपयोग करना चाहिए ताकि हम स्वस्थ रह सकें।इसके अलावा उन्होंने मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, पीसीओडी जैसी बीमारियों के लिए चिकित्सीय आहार के महत्व पर भी प्रकाश डाला।डॉ. रश्मि ने अपने व्याख्यान में आयरन, फाइबर, कैल्शियम और सभी पोषक तत्वों के महत्व के बारे में बताया जो आहार के आधार पर जीवन भर अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक दिन में 100 ग्राम फल, 250 ग्राम अनाज और 400 ग्राम सब्जियों का सेवन महत्वपूर्ण है। साथ ही अनाज, दाल और बाजरा के प्रकार भी बताएं। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर अनुभूति कोशले के मार्गदर्शन में किया गया। सहायक प्राध्यापक प्रतिभा चोखी, नेहा वर्मा और प्रतिमा साहू ने समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम स्वस्थ जीवन शैली के महत्व को बढ़ावा देने में सफल रहा।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया. "फार्मासिस्ट: वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति" थीम पर आधारित तीन दिवसीय कार्यक्रम किया गया आयोजित किया गया.

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित 25 सितंबर से 27 सितंबर तक तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया। इस वर्ष की वैश्विक थीम, रफार्मासिस्टः वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्तिर का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना और छात्रों और समुदाय के बीच स्वास्थ्य और कल्याण में उनके योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस उत्सव ने वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने में फार्मेसी के महत्व के बारे में जुड़ाव और समझ को बढ़ावा दिया।कार्यक्रम का पहला दिन फार्मेसी जागरूकता रैली और यूनिवर्सिटी परिसर में शपथ ग्रहण समारोह के साथ शुरू होता है। इसके बाद वैज्ञानिक पोस्टर प्रस्तुतियाँ, वाद-विवाद, तात्कालिक भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं सहित कई प्रतिस्पर्धी गतिविधियाँ हुईं। इन कार्यक्रमों ने छात्रों के ज्ञान और रचनात्मकता को उजागर किया, उन्हें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हुए फार्मेसी और स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न आयामों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम के दूसरे दिन रंगोली बनाने की प्रतियोगिता और वैज्ञानिक कार्यशील मॉडल प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिसमें रचनात्मकता और नवाचार दोनों का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें छात्रों ने एकल और समूह नृत्य प्रस्तुत किए, जिसमें यूनिवर्सिटी के छात्र निकाय की विविधता और उत्साह पर प्रकाश डाला गया। इन प्रदर्शनों ने कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान किया और प्रतिभागियों के बीच सौहार्द को बढ़ावा दिया, जिससे एक आनंदमय और समावेशी माहौल बना। समारोह के अंतिम दिन प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें मुख्य अतिथि डॉ. प्रीति के. सुरेश, निदेशक, एचआरडीसी, पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी और विशेष अतिथि डॉ. तृप्ति जैन, सहायक औषधि नियंत्रक, रायपुर सीजी शामिल थे। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने में फार्मासिस्टों की उभरती भूमिका पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम की थीम पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। उनके संबोधनों ने दुनिया भर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में फार्मासिस्टों के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया इस सम्मान ने छात्रों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का जश्न मनाया, जिससे उन्हें अपनी पढ़ाई में उत्कृष्टता और फार्मेसी क्षेत्र में योगदान के लिए प्रयास जारी रखने की प्रेरणा मिली। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में समारोह के दौरान, कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने 2030 तक अच्छे स्वास्थ्य के लिए डब्ल्यूएचओ के दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला। रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने पारंपरिक दवाओं के भंडार के रूप में भारत के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन फार्मेसी विभाग के प्रिंसिपल प्रो. विजय कुमार सिंह के हार्दिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने मेहमानों, प्रतिभागियों और आयोजकों को उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम जी ने विभाग और छात्रों दोनों को सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उनके प्रोत्साहन ने एक सहायक और संपन्न शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

एसआरयू में दो दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गयामार्शल आर्ट की बढ़ती लोकप्रियता: परंपरा, फिटनेस, अनुशासन, लड़कियों और महिलाओं का संरक्षण

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 27 से 28 सितंबर 2024 तक छात्राओं के लिए दो दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन निर्भया आत्मरक्षा मार्शल आर्ट एवं कराटे प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर के मास्टर ट्रेनर श्री मृत्युंजय साहू और उनकी टीम द्वारा किया गया, जिसमें 100 से अधिक छात्राओं ने इस आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। 27 सितंबर को उद्घाटन सत्र में माननीय कुलपति प्रो. एस.के.सिंह, कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा और कला संकाय के डीन प्रो. मनीष कुमार पांडे की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान कला संकाय के सभी संकाय सदस्य और छात्रा

प्रतिभागी उपस्थित थे। माननीय कुलपति ने वर्तमान समाज में लड़कियों और महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में आत्मरक्षा तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की, इस प्रयास की तुलना महिला सशक्तिकरण से की। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने आत्मरक्षा कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया, इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि यह कार्यक्रम शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास की दिशा में छात्राओं की क्षमता को कैसे बढ़ाएगा। अपने संबोधन में, कला संकाय के डीन ने शारीरिक हमलों का मुकाबला करने में छात्राओं के आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया और बताया कि कैसे मार्शल आर्ट तकनीक छात्राओं को उनकी सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन कला संकाय के अंतर्गत समाजशास्त्र विभाग की डॉ. अर्चना आर. तुपट ने किया तथा साथ ही कार्यक्रम में डॉ. अंजली यादव, डॉ. चित्रा पांडेय, सुश्री सम्प्रीति भट्टाचार्य, डॉ. सुजाता घोष, सुश्री साधना देवांगन, डॉ. पुष्पा भारती, डॉ. नरेश गौतम, डॉ. पायल, डॉ. सुनीता सोनवानी, श्री शिशिर छत्तर, डॉ. अम्बुज शुक्ला, डॉ. मालती बाग आदि उपस्थित थे, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान और समर्थन दिया।

एसआरयू में प्रौद्योगिकी के उभरते रुझान पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा "प्रौद्योगिकी के उभरते रुझान" विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने की। उन्होंने छात्रों के समक्ष यूनिवर्सिटी के विकास के बारे में अपने विचार साझा किए और वर्तमान युग में सॉफ्ट स्किल के महत्व पर भी जोर दिया।

उनके साथ डीन इंजीनियरिंग संकाय प्रोफेसर आर.आर.एल. बिराली ने छात्रों को प्रेरक भाषण दिया और बताया कि मनुष्य अपनी गलतियों से सीखता है। उन्होंने प्रौद्योगिकी के इस दौर में कंप्यूटर विज्ञान के उन्नयन पर भी ध्यान केंद्रित किया और प्रोग्रामिंग भाषा के महत्व के बारे में बताया।

क्विज प्रतियोगिता में 14 टीमों ने भाग लिया, जिसमें चार राउंड हुए और प्रत्येक राउंड के अनुसार प्रश्नों का स्तर बढ़ाया गया। इस क्विज की विजेता टीम वेब गैंगस्टर्स रही, जबकि प्रथम रनर अप टीम साइबर नाइट्स और द्वितीय रनर अप टीम हैक मास्टर्स रही। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष श्री दीपेश देवांगन द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के समस्त संकाय द्वारा इसका सफलतापूर्वक संचालन किया गया तथा प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ. रानू पांडे को भी विशेष धन्यवाद दिया गया।

मैटलर्जी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एकदिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में "इलेक्ट्रोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन और ट्राइबोलोजी इन मैटेरियल्स इंजीनियरिंग" विषय पर मैटलर्जी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों और शोधकर्ताओं को नवीनतम तकनीकों और अनुसंधान के क्षेत्र में अद्यतन जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

कार्यशाला का शुभारंभ प्रोफेसर आर.आर.एल. बिराली, डीन (अकादमिक) द्वारा किया गया, डॉ. बिराली ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के अनेक शिक्षकगण, छात्रगण और शोधकर्ताओं ने भी भाग लिया।

मुख्य वक्ता एनआईटी रायपुर में पदस्त प्राध्यापक डॉ. मनोरंजन कुमार मनोज एवं डॉ. मानवेंद्र कुमार त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त किए जिसमे इलेक्ट्रोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन और ट्राइबोलोजी से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर मैटेरियल्स की विशेषताओं, उनके क्षेत्र और भविष्य की संभावनाओं पर विशेष रूप से बताया गया।

समापन उद्बोधन में डॉ. मिथिलेश सिंह, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग द्वारा अतिथियों को धन्यवाद् कर कार्यशाला में योगदान देने के लिए समस्त विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों को बहुत आभार प्रकट किया तथा कार्यशाला का संचालन मैटलर्जी इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञानंदन बंजारे ने किया।

फ्रेशर पार्टी में नवीन विद्यार्थियों का हुआ भव्य स्वागत, अनुग्रह और अनुषा बने मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के विज्ञान संकाय द्वारा फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया जिसमें नए विद्यार्थियों का स्वागत कर उन्हें यूनिवर्सिटी के परिवेश से परिचित कराना और उन्हें अपने नए साथियों के साथ जोड़ना था। विद्यार्थियों ने इस आयोजन में उत्साह और जोश के साथ भाग लिया।

आयोजन में मिस अंडर ग्रेजुएट के फ्रेशर का खिताब बीएससी बी ऑप्टोमेट्री की रोशनी कश्यप और मिस्टर फ्रेशर का खिताब बी ऑप्टोमेट्री के प्रफुल्ल ने जीता।

वहीं पोस्ट ग्रेजुएट में मिस फ्रेशर का खिताब अनुषा यादव एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी) और मिस्टर फ्रेशर का खिताब पोषण और आहार विज्ञान के अनुग्रह ने जीता।

इस अवसर पर विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर डॉ. अनुभूति कोशले ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सहायक प्राध्यापक डॉक्टर हितेश देवांगन, डॉक्टर माधवी पांडे, प्रतिभा चोखी और दीपाली साहू ने समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY
RAIPUR (C.G.)

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

AFFORDABLE FEES

AVAIL UPTO 100% SCHOLARSHIP

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव

प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

संपादक
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
विवेक विश्वकर्मा